UNIVERSITY NEWS 31 DECEMBER 2025

AMAR UJALA

नैनो तकनीक से होगी लेट्यूस की खेती

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रो. मोहम्मद इसराइल अंसारी और उनकी टीम ने कृषि जगत में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। टीम ने एक पर्यावरण-अनुकूल नैनो तकनीक विकसित की है जो लोकप्रिय पत्तेदार सब्जी लेट्यूस (सलाद पत्ता) की खेती को अधिक उत्पादक और पोषक बनाने में सक्षम है। अध्ययन का नेतृत्व कर रहीं शोधार्थी पुष्पांजलि यादव और उनके सहयोगियों ने गामा-अमीनोब्यूट्रिक एसिड आधारित स्वर्ण नैनोकण (गाबा-स्वर्ण नैनोकण) तैयार किया है। इनके प्रयोग से लेट्यूस पौधों की वृद्धि, पोषक तत्वों के अवशोषण और तनाव सहनशीलता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

वेटलिफ्टिंग में लविवि के खिलाड़ी छाए

वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले खिलाड़ी। - आयोजक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में चल रही महिला व पुरुष वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम के पांच खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। चयनित खिलाड़ियों में रोली वर्मा (48 किग्रा), नेहा सिंह चौहान (53 किग्रा), अंकित वर्मा (60 किग्रा), प्रवीण कुमार (65 किग्रा) और साक्षी केसरवानी (86 किग्रा) शामिल हैं। टीम मैनेजर अरविंद कुशवाहा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, वेटलिफ्टिंग क्लब के अध्यक्ष डॉ. विनीत कुमार, क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने खिलाड़ियों को बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

AMRIT VICHAR

शोध मेधा के लिए 17 महिला शोधार्थियों का हुआ चयन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए 17 महिला शोधार्थियों का चयन किया गया है। यह छात्रवृत्ति उन पीएचडी छात्राओं को प्रदान की जाती है जो नेट या गेट उत्तीर्ण हैं। किन्तु वर्तमान में किसी अन्य फेलोशिप से वंचित हैं, अथवा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंधित हैं। छात्रवृत्ति की राशि 5 हजार रुपए प्रति माह निर्धारित की गई है। इसकी प्रारंभिक अवधि एक वर्ष की होगी। इस प्रकार, योग्य शोधार्थी अधिकतम तीन वर्षों तक इस सहायता का लाभ उठा सकती हैं। चयनित छात्राओं में अदिति, शिवानी तिवारी, शेफाली जावेद, शैलजा दुबे, अंबिका रमोला, तिथि बनर्जी, दीप्ति चौहान, कंचन गौतम, नम्रता दीक्षित, स्मृति सूर्यवंशी, सुरभि उपाध्याय, अंजलि, हेरा तौफीक, साक्षी पाठक, सानिया फिरदौस, अमिता तिवारी व सायमा फरहीन शामिल हैं।

VOICE OF LUCKNOW

लविवि के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

लखनऊ। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में नार्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला/पुरूष वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन चार दिवसीय मंगलवार तक हुआ। जिसमे 70 से अधिक विश्वविद्यालय की टीमों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय की महिला एवं पुरूष की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के खिलाड़ी क्रमशः रोली वर्मा (48 कि. ग्रा.), नेहा सिंह चौहान (53 कि. ग्रा.), अंकित वर्मा (60 कि.ग्रा.), प्रवीण कुमार (65 कि. ग्रा.) एवं साक्षी केसरवानी (86 कि.ग्रा.) शामिल है।

टीम के मैनेजर अरविंद कुशवाहा ने खिलाड़ियों का खूब उत्साहवर्धन किया। वेटलिफ्टिंग क्लब के प्रेसिडेंट डॉ विनीत कुमार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय कुमार आर्य ने बताया कि पिछले साल की अपेक्षा इस साल 5 गुना खिलाड़ियों का चयन ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए हुआ है उम्मीद है कि ऑल इंडिया के साथ साथ खेलो इंडिया टूर्नामेंट में विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों की संख्या बढ़ेगी। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने विश्वविद्यालय के शानदार प्रदर्शन पर सभी खिलाड़ियों और मैनेजमेंट को बधाई दी।

DAINIK JAGRAN

प्रो. समीर बने विभागाध्यक्ष

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के जैव रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक प्रोफेसर समीर शर्मा को विभाग का अध्यक्ष बनाया गया है। यह जिम्मेदारी

उन्हें तीन जनवरी से अधिवर्षता आयु प्राप्ति 19 अगस्त 2026 के आधार पर 18 अगस्त 2026 तक या अन्य कोई आदेश होने तक दी गई है। कुलसचिव डा. भावना मिश्रा ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है।

प्रो. अमिता कनौजिया को मिली नई जिम्मेदारी

लखनऊ : लवि के जंतु विज्ञान विभाग की प्रोफेसर अमिता कनौजिया को विभागाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। उनका कार्यकाल एक जनवरी से तीन वर्ष की अवधि अथवा अधिवर्षता आयु पूरी होने या अन्य कोई आदेश होने तक मान्य होगा। (जासं)

लवि में शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए 17 महिलाएं चयनित

जासं • लखनऊ : लवि ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के अंतर्गत 17 महिला शोधार्थियों का चयन किया है। यह छात्रवृत्ति उन पीएच.डी छात्राओं को दी जाती है जो नेट या ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) उत्तीर्ण हैं, लेकिन वर्तमान में किसी अन्य फेलोशिप से वंचित हैं या आर्थिक रूप से कमजोर हैं। कुलसचिव ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया। चयनित सूची में कला संकाय से आठ और विज्ञान संकाय से नौ छात्राएं शामिल हैं।

इनका हुआ चयन: अदिति, शिवानी तिवारी, शेफाली जावेद, शैलजा दुबे, अंबिका रमोला, तिथि बनर्जी, दीप्ति चौहान, कंचन गौतम, अंजलि, नम्रता दीक्षित, स्मृति सूर्यवंशी, सुरभि उपाध्याय, हेरा तौफीक, साक्षी पाठक, सानिया फिरदौस, अमिता तिवारी एवं सायमा फरहीन।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने जारी किया द्वि-वार्षिक न्यूजलेटर

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने मंगलवार को आइक्यूएसी की निदेशक प्रो. संगीता साहू और अन्य टीम सदस्यों के साथ जनवरी-जून 2025 के लिए आइक्यूएसी रिसर्च हाइलाइट्स: एक द्वि-वार्षिक न्यूजलेटर जारी किया। इसमें एकेडमिक और कार्पोरेट जगत को फैकल्टी सदस्यों द्वारा किए जा रहे रिसर्च आदि के बारे में बताया गया।

I NEXT

फीमेल रिसर्चर्स के लिए मददगार होगी स्कॉलरशिप

LUCKNOW (30 Dec, inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने फीमेल स्कॉलर्स की बेहतरी के लिए एक कदम बढ़ाते हुए शोध मेधा स्कॉलरशिप के तहत 17 फीमेल स्कॉलर्स को सिलेक्ट किया है, जिन्हें स्कॉलरशिप के तहत 5000 रुपए मंथली दिए जाएंगे. ये स्कॉलरशिप उन फीमेल स्कॉलर्स को दी जा रही है जो नेट पास हैं और अन्य किसी तरह की फेलोशिप नहीं पा रही हैं. इस स्कॉलरशिप की अवधि वैसे तो 1 साल की है, लेकिन डिपार्टमेंटल रिसर्च कमेटी की अनुशंसा के आधार पर इसे मैक्सिमम 3 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है. इस स्कॉलरशिप के लिए सिलेक्टेड स्कॉलर्स में अदिति, शिवानी, शेफाली जावेद, शैलजा, अंबिका रमोला, तिथि, दीप्ति, कंचन, नम्रता, स्मृति, सुरभि, अंजलि, हेरा तौफीक, साक्षी, सानिया फिरदौस, अमिता तिवारी और सायमा फरहीन शामिल हैं. सभी स्कॉलर्स को डीएसडब्लयू प्रो. वीके शर्मा ने बधाई दी.

वेटलिफ्टिंग में एलयू की महिला-पुरुष टीम का शानदार प्रदर्शन

वेटलिफ्टिंग ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए एलयू टीम ने किया क्वालिफाई

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (30 Dec): चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी में नार्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला-पुरुष वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 30 दिसंबर तक किया गया. जिसमें देशभर से 70 से ज्यादा यूनिवर्सिटीज ने पार्टिसिपेट किया.

किया शानदार प्रदर्शन

इस चैंपियनशिप में एलयू की महिला-पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है, जिसमें रोली वर्मा (48 किग्रा), नेहा सिंह चौहान (54 किग्रा), अंकित वर्मा (60 किग्रा), प्रवीण कुमार (65 किग्रा) और साक्षी

70 से ज्यादा यूनिवर्सिटीज ने पार्टिसिपेट किया देशभर से

केसरवानी (86 किग्रा) शामिल हैं. इसको लेकर एलयू स्पोर्ट्स एसोसिएशन के महासचिव प्रो. अजय आर्या ने बताया कि पिछले साल की अपेक्षा इस साल 5 गुना खिलाड़ियों का चयन ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए हुआ है. उम्मीद है कि ऑल इंडिया के साथ साथ खेलो इंडिया टूर्नामेंट में एलयू के खिलाड़ियों की संख्या बढ़ेगी. इस मौके पर एलयू वीसी प्रो. मनुका खन्ना ने यूनिवर्सिटी के शानदार प्रदर्शन पर सभी खिलाड़ियों और मैनेजमेंट को बधाई दी. वहीं टीम के मैनेजर अरविंद कुशवाहा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और वेटलिफ्टिंग क्लब के प्रेसिडेंट डॉ. विनीत कुमार ने भी खिलाड़ियों को बधाई दी.

AMRIT VICHAR

लविवि कुलपति ने जारी किया न्यूजलेटर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और आईक्यूएसी निदेशक प्रो. संगीता साहू ने रिसर्च हाइलाइट्स : एक द्वि-वार्षिक न्यूज़लेटर" जारी किया। इस न्यूज़लेटर का मकसद एकेडमिक और कॉर्पोरेट जगत को फैकल्टी सदस्यों द्वारा किए जा रहे रिसर्च के बारे में बताना और आगे के रिसर्च के लिए नए रास्ते खोलना है। यह न्यूज़लेटर यूनिवर्सिटी की एक अच्छी छवि बनाने में मदद करेगा।

न्यूज लेटर जारी करती कुलपति प्रो. मनुका खन्ना।

VOICE OF LUCKNOW

शोध मेधा छात्रवृत्ति के तहत 17 महिला शोधार्थियों का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा मंगलवार को जारी कार्यालय आदेश के अनुसार, शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के अंतर्गत 17 महिला शोधार्थियों का चयन किया गया है। यह छात्रवृत्ति उन पीएचडी छात्राओं को प्रदान की जाती है जो नेट या गेट उत्तीर्ण हैं, लेकिन वर्तमान में किसी अन्य फेलोशिप से वंचित हैं अथवा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से संबंधित हैं। छात्रवृत्ति की राशि 5,000 रुपये प्रति माह निर्धारित की गई है। इसकी प्रारंभिक अवधि एक वर्ष की होगी, जिसे संबंधित विभागीय शोध समिति की अनुशंसा पर वार्षिक आधार पर दो वर्षों के लिए और बढ़ाया जा सकता है। इस प्रकार, योग्य शोधार्थी अधिकतम तीन वर्षों तक इस सहायता का लाभ उठा सकती हैं। चयनित छात्राएं कला, विज्ञान एवं शिक्षा संकायों से हैं और इनका मार्गदर्शन विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोध पर्यवेक्षकों द्वारा किया जा रहा है। चयनित नामों में अदिति, शिवानी तिवारी, शेफाली जावेद, शैलजा दुबे, अंबिका रमोला, तिथि बनर्जी, दीप्ति चौहान, कंचन गौतम, नम्रता दीक्षित, स्मृति सूर्यवंशी, सुरभि उपाध्याय, अंजलि, हेरा तौफीक, साक्षी पाठक, सानिया फिरदौस, अमिता तिवारी एवं सायमा फरहीन शामिल हैं। यह पहल महिला शोधार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे वे आर्थिक बाधाओं के बिना उच्च गुणवत्ता वाला शोध कार्य कर सकें। इस फेलोशिप के चयन के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा के नेतृत्व में चयन समिति का गठन किया गया था।

NBT

17 महिला स्कॉलरों को एलयू देगा स्कॉलरशिप

■ **NBT रिपोर्ट,लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर 17 पीएचडी स्कॉलरों को एलयू की ओर से स्कॉलरशिप दी जाएगी। शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना के तहत 17 महिला शोधार्थियों का चयन किया गया है। इसमें उन महिला शोधार्थियों का चयन किया जाता है जिन्हें कोई भी राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के तहत स्कॉलरशिप नहीं पा रहे हैं और आर्थिक रूप से कमजोर है उन्हें चयनित किया जाता है।

विवि की ओर से जारी आदेश के तहत अब हर माह इन स्कॉलरों को पांच हजार रुपये एलयू की ओर से स्कॉलरशिप के रूप में दिये जाएंगे। यह स्कॉलरशिप एक साल तक दी जाएगी। इसके बाद विभागीय शोध समिति की अनुशंसा पर वार्षिक आधार पर दो वर्षों के लिए और बढ़ाया जा सकेगा। एक शोधार्थी अधिकतम तीन वर्षों के लिए यह स्कॉलरशिप रदी जाएगी।

AMAR UJALA

सूर्य नमस्कार से बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

लखनऊ। सर्दियों में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वीरभद्रासन, भुजंगासन और प्राणायाम से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन के सह समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव के अनुसार ठंड के मौसम में योगाभ्यास करते समय विशेष सावधानी बरतना भी जरूरी है।

सर्दियों में शरीर की मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं। ऐसे में बिना वार्म-अप सीधे योगासन करने से शरीर को नुकसान या चोट की आशंका बढ़ जाती है। ठंड में शीर्षासन व सर्वांगासन जैसे आसनों से बचना चाहिए। योग से पहले 10 से 15 मिनट तक हल्की जॉगिंग और गर्दन, कंधे, कमर, घुटने व टखनों के लिए सूक्ष्म व्यायाम आवश्यक हैं। योगाभ्यास हमेशा धूप या गर्म स्थान पर, ऊनी आसन और आरामदायक कपड़ों में करना चाहिए। (माई सिटी रिपोर्टर)

I NEXT

लखनऊ यूनिवर्सिटी

उपलब्धियां

- एलयू ने पहली बार एग्रीकल्चर की फैकल्टी के साथ कोर्स की शुरुआत करते हुए एडमिशन लिए
- योग, मैनेजमेंट, फार्मेसी की फैकल्टीज
- ई-लाइब्रेरी, नया इंफ्रास्ट्रक्चर
- एआई में वीटेक, एआई लैब की शुरुआत

AMRIT VICHAR

बच्चों के मन से गणित का डर भगाएगी प्रयोगशाला

माध्यमिक विद्यालयों में स्थापित की जाएगी गणित प्रयोगशाला, भारतीय गणित सोसायटी ने की पहल, ट्रिकी और मैजिक मैथ को देंगे बढ़ावा

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद में गणित पढ़ने वाले छात्रों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। वर्ष 2021 के बाद चार वर्षों में इंटरमीडिएट के लगभग एक लाख छात्रों की कमी दर्ज की गई है। इस स्थिति को लेकर विश्वविद्यालयों के गणित शिक्षक भी चिंतित हैं और बच्चों के मन से "मैथ फोबिया" दूर करने के लिए कई स्तरों पर पहल शुरू की जा रही है। इसी कड़ी में पहली बार माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशाला की तर्ज पर गणित प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय गणित परिषद के करीब 100 वर्षों के इतिहास में पहली बार स्कूल स्तर की गणित शिक्षा पर गंभीर चर्चा हुई है। परिषद के अध्यक्ष प्रो. एससएस खरे ने बताया कि स्कूली छात्रों में गणित के प्रति भय दूर करने के लिए ट्रिकी और मैजिक मैथ का प्रारूप तैयार किया गया है। साथ ही गणित को रोचक ढंग से पढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम भी बनाए गए हैं। प्रो. खरे के अनुसार भारतीय गणित परिषद एक फार्म भरवाएगी, जिसमें उनसे पूछा जाएगा कि वे इस अभियान का हिस्सा बनना चाहते हैं या नहीं। चयनित विशेषज्ञों को एक सप्ताह का प्रशिक्षण देकर जिले में मास्टर ट्रेनर के रूप में भेजा जाएगा, जो आगे गणित शिक्षकों को नई शिक्षण तकनीक, ट्रिक्स और मैजिक आधारित गणित सिखाएंगे।

मुख्यमंत्री होगी गणित की प्रयोगशाला। अमृतविचार

गणित प्रयोगशाला पर करीब 10 हजार का खर्च

- प्रो. एससएस खरे के अनुसार खली कर माध्यमिक विद्यालयों में गणित की प्रयोगशाला स्थापित करने का सुझाव प्रदेश सरकार और यूपी बोर्ड को दिया जाएगा। एक प्रयोगशाला पर लगभग 10 हजार रुपये का खर्च आएगा, जिसमें बोर्ड, ज्यामितिक आदि से बने विभिन्न मॉडल शामिल होंगे। हालांकि ऐसी प्रयोगशालाएं आईआईटी और कुछ तकनीकी संस्थानों में ही मौजूद हैं, लेकिन यदि इन्हें माध्यमिक विद्यालयों में लागू किया जाए तो इसके व्यापक लाभ और दूरगामी परिणाम सामने आ सकते हैं।

यूपी बोर्ड में गणित छात्रों की स्थिति

- 2026 की इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए जहां केवल 3.98 लाख छात्रों ने गणित विषय चुना है, वहीं 2023 में यह संख्या 4.99 लाख थी। यानि वर्षों में यह पहली बार है जब गणित का नामांकन चार लाख से नीचे पहुंचा है। वर्ष 2026 के लिए कुल 24.79 लाख छात्रों ने नामांकन कराया है, जबकि 2025 में यह संख्या 27.05 लाख थी। एक ही वर्ष में 2.25 लाख छात्रों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

HINDUSTAN

एलयू में शोध मेधा छात्रवृत्ति के लिए 17 का चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए शोध मेधा छात्रवृत्ति के तहत 17 महिला शोधार्थियों का चयन किया गया है। यह छात्रवृत्ति उन पीएचडी छात्राओं को प्रदान की जाती है जो नेट या गेट उत्तीर्ण हैं, मगर वर्तमान में किसी अन्य फेलोशिप से वंचित या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से हैं। कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा का कहना है कि छात्रवृत्ति पांच हजार प्रति माह निर्धारित की है।

लखनऊ यूनिवर्सिटी की बैडमिंटन टीम घोषित

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी की बैडमिंटन टीम शौर्य प्रताप सिंह के नेतृत्व में घोषित की गई। यह टीम उत्तर क्षेत्र इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। सीटी यूनिवर्सिटी लुधियाना में इस प्रतियोगिता के मैच 31 दिसंबर से खेले जाएंगे। शौर्य प्रताप सिंह (कप्तान), आदित्य सिंह, प्रतीक कुमार, कौस्तुभ मिश्रा, आयुष पंकज, युवराज सिंह, ओंकार कुमार टीम में हैं।

वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पांच खिलाड़ी चयनित

लखनऊ। एलयू के महिला व पुरुष वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ियों ने अलग-अलग भार में ऑल इंडिया टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। 26-30 दिसंबर तक चंडीगढ़ स्थित पंजाब यूनिवर्सिटी में आयोजित नार्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला व पुरुष वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पांच से अधिक विवि की टीमों ने भाग लिया। जिसमे एलयू की महिला व पुरुष टीम से खिलाड़ी शामिल हैं।

AMAR UJALA

लविवि... जहां बेटियों के सपनों को मिलता है सुरक्षित आंगन

महिला विभागाध्यक्षों और पदाधिकारियों की सक्रिय मौजूदगी ने व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, सहयोगी और समावेशी बनाया

विनीत चतुर्वेदी

लखनऊ। घर की दहलीज से बाहर कदम बढ़ाते बेटियों की सुरक्षा चार-तिरफा के लिए हमेशा सबसे बड़ी चिंता रही है। ऐसे में लखनऊ विश्वविद्यालय का परिसर एक घरोसेवंट उम्मीद की तरह सामने आता है... जहां शिक्षा सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा, आत्मसम्मान व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का पाठ है।

सुबह की पहली किरण से लेकर देर शाम तक कैंपस में पढ़ाई, शोध, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में व्यस्त छात्राओं की बेफिक्र मुस्कान इस बात की साक्षी सरासर गवाही है कि यहां का वातावरण सुरक्षित, प्रगतिशील और समावेशी है। यह केवल विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि ऐसा आंगन है जहां बेटियां निडर होकर अपने सपनों को आकार देती हैं।

लविवि में शिक्षा के साथ-साथ छात्राओं की विश्वविद्यालय, उनकी आजादी और उनका आत्मसम्मान भी पूरी तरह सुरक्षित है। पुस्तकालयों में घंटों अध्ययन करती छात्राएं हों या खेल मैदानों में पसीना बहाती युवा प्रतिभाएं... हर जगह आत्मविश्वास में भरी बौद्धुएनी नजर आती है। मात-पर-सात छात्राओं की संख्या में हो रहा इजाफा इस विश्वास को और मजबूत करता है। खास बात यह है कि बीते कुछ वर्षों में विरेसी छात्राओं का भरोसा भी विश्वविद्यालय पर लगातार बढ़ा है, जो इसकी बेहतरीन व्यवस्थाओं और सुरक्षित छवि को दर्शाता है।

बेटियों की सुरक्षा के लिए या विवि का परिसर भरोसेमंद प्रमाणित की तरह सामने आता है। अमर

महिला नेतृत्व ने रचा भरोसे का माहौल

इस विश्वास को मजबूत करने में चीफ महिला नेतृत्व की अहम भूमिका रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय में महिला कुलसचिव (राजधानी) से लेकर महिला कुलपति, रजिस्ट्रार, डिप्टी रजिस्ट्रार, अकादमिक ऑफिसर और डीन एकेडमिक्स जैसे प्रमुख पदों पर महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि कहती हैं, लखनऊ विश्वविद्यालय का सुरक्षित माहौल छात्राओं को शिक्षा, शोध, खेल और सामाजिक गतिविधियों में नए मॉडलिंग गढ़ने का अवसर देता है। उनकी आंखों की चमक छात्राओं की सफलता की कहानी खुद बयां करती है।

संवेदनशील प्रशासन, सशक्त बेटियां

महिला विभागाध्यक्षों और पदाधिकारियों की सक्रिय मौजूदगी ने प्रशासन और शिक्षण व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, सहयोगी और समावेशी बनाया है। वर्तमान में विश्वविद्यालय के छह विभागों की कमान महिला विभागाध्यक्षों के हाथ में है जो निर्णय प्रक्रिया में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को मजबूती देती है।

संतुलित है महिला-पुरुष प्रोफेसरों का अनुपात

लविवि में कुल 665 प्रोफेसरों में से 270 महिला प्रोफेसर हैं। महिला शिक्षकों की यह मजबूत भागीदारी न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाती है, बल्कि छात्राओं के लिए प्रेरणा और भरोसे का मजबूत स्तंभ भी बनाती है।

2020-21 - छात्राएं 1849 रहीं, जबकि छात्र 1694 थे।
2021-22 - दोनों लगभग बराबर रहे।
2022-23 - छात्र : 2237 छात्रा : 2406
2024-25 - छात्र : 2456 छात्रा : 2821
2025-26 - छात्र : 2344 छात्रा : 2874

हरियाली और सुविधाएं कराती हैं फील-गुड

वातावरण में छात्राओं ने पढ़ाई के साथ शोध और उपचार पर खास ध्यान दिया जाता यह संस्थान महिला कल्याण, सुरक्षित माहौल, अपने संस्थान कैंपस, फैकल्टी और पैरामेडिकल के चलते सबसे आगे है। यहां, अंतर्ज्ञान विद्या, सृष्टि जलवायु आदि छात्राएं बताती हैं कि परिसर की खेतरा सुरक्षित, संतोषी पैरामेडिक की बेहतर मदद, पोस्ट का साफ पानी, यहां की हरियाली हमें फोलगुड करती है। यहां की एकेडमिक और कैंपस लाइफ दोनों ही उन्हें भाती हैं।

किसी सुरक्षित दुर्ग जैसा है परिसर

सुरक्षा के स्तर पर विश्वविद्यालय ने उत्तम और आधुनिक कदम उठाए हैं। परिसर में प्रशिक्षित महिला सुरक्षा गार्डों की तैनाती, उनकी नियमित गश्त, 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी, निर्धारित प्रवेश-निकास व्यवस्था और शिकायतों के त्वरित समाधान की प्रणाली ने कैंपस को लड़कियों के लिए एक सुरक्षित दुर्ग जैसा बना दिया है।

- प्रो. मनुका खन्ना, कुलपति, लविवि

सफलता का परचम लहरा रही हैं लड़कियां

"लविवि में छात्राओं का भरोसा बढ़ा है। विश्वविद्यालय में सत्र 2020 में जेंडर सेंसिटाइजेशन कमेटी बनाई गई जो कामकाजी संवेदनशील और सक्रिय है। यहां लड़कियां हर साल पढ़ाई में अव्वल आ कर मेडाल बटोर रही हैं और सफलता का परचम बुलंद कर रही हैं।

- प्रो. मधुकर श्रीवास्तव, प्रकुलपति, लविवि

साल दर साल बढ़ रहा छात्राओं का भरोसा

पीजी पाठ्यक्रमों में पिछले छह शैक्षणिक सत्रों के नामांकन आंकड़े बिना में छात्राओं के बढ़ते रुझान को साबित करते हैं। साल दर साल छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक हुई है।

सशक्त बेटियां : 17 महिला शोधार्थियों को शोध मेधा छात्रवृत्ति

माई सिटी रिपोर्टर

महिला शोधार्थियों को मिलेगी पांच हजार रुपये प्रतिमाह की शोध छात्रवृत्ति

लखनऊ। जब बेटियों को शिक्षा का अवसर, विश्वास और संस्थागत सहयोग मिलता है, तो उनकी पहुंचें केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वे कामयाबी के नए कीर्तिमान गढ़ती हैं और समाज को दिशा देती हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय की शोध मेधा छात्रवृत्ति योजना इसी सोच की सशक्त मिसाल बनकर सामने आई है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विश्वविद्यालय से 17 महिला पीएचडी शोधार्थियों का चयन हुआ है।

ऐसे हुआ बेटियों का चयन : यह छात्रवृत्ति उन छात्राओं के लिए है, जिन्होंने नेट या गेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं उत्तीर्ण की हैं लेकिन किसी अन्य फेलोशिप का लाभ नहीं ले पा रही हैं या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आती हैं। लविवि के कुलसचिव की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार चयनित महिला शोधार्थियों को पांच हजार प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। छात्रवृत्ति की प्रारंभिक अवधि एक वर्ष की होगी, जिसे विभागीय शोध समिति की संस्तुति पर अधिकतम तीन वर्षों तक बढ़ाया जा सकेगा। इस योजना के लिए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा की अध्यक्षता में गठित चयन समिति ने पारदर्शी प्रक्रिया के तहत छात्राओं का चयन किया।

कला, विज्ञान और शिक्षा संकायों से जुड़ी ये शोधार्थी अनुभवी शोध पर्यवेक्षकों के मार्गदर्शन में अपने विषयों पर गहन अनुसंधान कर रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह पहल महिला शोधार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें नवाचार, अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक भागीदारी की अग्रिम पंक्ति में लाने का प्रयास है।

इन शोधार्थियों को मिला संबल

अदिति, शिवानी तिवारी, शेफाली जावेद, शैलजा दुबे, अंबिका रमोला, तिथि बनर्जी, दीप्ति चौहान, कंचन गौतम, नम्रता दीक्षित, स्मृति सूर्यवंशी, सुरभि उपाध्याय, अंजलि, हेरा तौफीक, साक्षी पाठक, सानिया फिरदौस, अमिता तिवारी और सायमा फरहीन।

TIMES OF INDIA

28 int'l research scholars opt for PhD courses in LU this yr

Times News Network

Lucknow: As many as 28 international research scholars have taken admission this year in the Lucknow University (LU) for pursuing PhD courses, which is the highest number in a year in the university's history. The awardees are Elena Stoiakina from Russia, Dinh Thi Hoa Le from Vietnam, Ahmad Gul from Afghanistan, Mohammad Fida Alakozay from Afghanistan, Saharmal Sahar from Afghanistan, Abdul Aziz Ahmad Mohammad Ahmed from Yemen and Selma Ndiwakalunga Mulunga from Namibia.

The international scholars are opting for a wide range of disciplines, including literature, tourism studies, social sciences, Hindi and Urdu research, and social entrepreneurship.

Director of international collaborations and international students advisor, RP Singh said, "This is a proud moment for Lucknow University. The growing number of international research scholars reflects our commitment to global research collaboration and demonstrates that LU is becoming a preferred destination for scholars seeking impactful, interdisciplinary research. We are still expecting more international students for PhD in the coming months."

International scholars help build bridges between different cultural and academic perspectives while promoting interdisciplinary approaches to contemporary challenges. By hosting international students, the university is not only enhancing its research output but also enriching the campus with diverse ideas, experiences and collaborative opportunities, he added.

7 PhDs awarded to int'l scholars in 2025

The Lucknow University has achieved a milestone by awarding seven PhDs to international scholars in 2025, the highest number in a year in the university's history. The awardees are Elena Stoiakina from Russia, Dinh Thi Hoa Le from Vietnam, Ahmad Gul from Afghanistan, Mohammad Fida Alakozay from Afghanistan, Saharmal Sahar from Afghanistan, Abdul Aziz Ahmad Mohammad Ahmed from Yemen and Selma Ndiwakalunga Mulunga from Namibia.

LU picks 17 women for scholarship

Lucknow University has selected 17 women PhD scholars for the Research Excellence Scholarship for the academic session 2025-26, as per an office order issued by the university registrar on Tuesday. The scholarship, worth Rs 5,000 per month, is awarded to NET or GATE-qualified candidates who are financially disadvantaged or not receiving any other fellowship. Initially granted for one year, it can be extended up to three years based on departmental recommendations.

DAINIK JAGRAN

वेटलिफ्टिंग आल इंडिया टूर्नामेंट में लवि की टीम

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की महिला एवं पुरुष टीम ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में आयोजित नार्थ ईस्ट